राष्ट्रीय मतदाता दिवस – २०१८ के उपलक्ष्य में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित समारोह। (दिनांक : २५ जनवरी, २०१८)

- आज का दिन भारत के लोकतंत्र के इतिहास में महत्वपूर्ण दिन है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस -2018 के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।
- आज बहुत से भाइयों और बहनों को उनके कर्तुत्व के लिए पुरस्कृत किया गया और सम्मानित किया गया जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को सफल बनाने में मतदाताओं को प्रेरित करने में तथा मतदान की सभी व्यवस्थाएँ सुचारूरूप से चले ऐसे कार्यो में अपना सहयोग दिया है। इस पावन कार्यों में लगे हुये हमारे कुछ अधिकारी दिल्ली भी गये हुये है जहां वे आदरणीय राष्ट्रपति जी के हाथो से सम्मानित होंगे। इन सभी को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।
- स्वतंत्र प्राप्ति के बाद हमारा देश जिन चीजों पर गर्व कर सकता है उनमें से एक बात यह है की पिछले 68 वर्षों से हम अपने देश में सफलता से चुनाव करवाते आए है तथा हमारे देश में हमने लोकतंत्र को कामयाब बनाकर रखा है। इस काम में लगे हुये सभी छोटे-बढ़े अधिकारी एवं कर्मचारी निश्चितरूप से बधाई के पात्र है। मैं उन सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।
- भारत एक विशाल देश है। हमारा लोकतंत्र कोई छोटा लोकतंत्र नहीं है। हमारा देश अनेक विविधताओंवाला देश है। यहाँ अलग-अलग भाषाएं है। शहेरी विस्तार भी है, ग्रामीण विस्तार भी है। ऐसे विशाल देश में लोकतंत्र को बनाए रखना तथा सुचारुरूप से मतदान हो सके इसके लिए निर्धारित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करना ये अपने

आप में बहुत बड़ा चुनौतीवाला काम है । इस बात की हमें खुशी है की हमारे भारत निर्वाचन आयोग ने तथा राज्य के निर्वाचन आयोग ने इस कार्य को बहुत ही सफलतापूर्वक सम्पन्न किया है। ये सब हमारी प्रशंसा तथा साधुवाद के पात्र है।

- हमने आज यहाँ प्रतिज्ञा भी ली है की हम सब तो मतदान करेंगे ही मगर दूसरे लोगों को भी हम प्रेरित करेंगे की वे भी मतदान करे। समाज का एक वर्ग ऐसा भी है, जो किसी न किसी कारणवश मतदान करने से छुट जाता है। कई लोगों के लिए पोलींग बुथ तक पहोंचना कठिन है। कई लोग किसी न किसी कारणवश मतदान करने में कठिनाई का अनुभव करते है। ऐसे वर्ग के लिये आवश्यक सुविधाओं खड़ी करना यह काम निर्वाचन आयोग तो कर ही रहा है। मगर इसमें हमें भी सहयोग करना पड़ेगा। समाज का एक दूसरा वर्ग ऐसा भी है जो किसी कठिनाई से ग्रस्त नहीं है मगर वो सोचता है की वोट दिया न दिया क्या फर्क पड़ता है। कई सम्पन्न वर्ग के लोग भी ऐसा सोचते है। ऐसे लोगों को समजाना, प्रेरित करना ये भी हमारा काम है। कुछ लोग ऐसे भी है, जो हमेशा उदासीन रहते है। वो सोचते है की कोई भी सरकार आये उनका क्या लेना-देना । इस प्रकार की उदासीनता की वृत्ति को तोड़ना आवश्यक है।
- अभी मुझे बताया गया है की हमारे प्रदेश का चुनाव आयोग State Election Commission 1,14,136 नगर निगम से लेकर ग्राम पंचायत तक की संरचनाओं का चुनाव सम्पन्न करवाता है। इतनी बड़ी संख्या की इकाईयों का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाना ये अपने आप में एक बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसी बड़ी चुनौती को सफल बनाने के लिये हमारी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष में भी भूमिका हो सकती है। वो हमें निभानी चाहिए। आज के दिवस का यही एक मात्र संदेश है।

- मुझे इस बात की खुशी है की हमारे केन्द्रीय चुनाव आयोगने तथा हमारे राज्य के चुनाव आयोगने अपनी विश्वसनीयता को पूरी तरह बनाए रखा है। इसके लिए मैं केन्द्रीय चुनाव आयोग तथा अपने राज्य के चुनाव आयोग और अपने प्रदेश के State Election Commission को बहुत बहुत बधाई देता हूँ।
- प्रेरणा एक बहुत बड़ी बात है। तटस्थता तथा उदासीनता दूसरी बात है। मतदान के दिन हम यदि घर से मतदान केंद्र की तरफ चलते है तो अपने पड़ोशी को भी आवाज लगा ले की हम मतदान करने जा रहे आप भी आ जाईए। यदि पड़ोश में वृद्ध लोग ही बचे है तो हमारे नौ-जवानों को उनको सहारा देकर मतदान केन्द्र तक ले जाना चाहिये। इस तरह से यदि हम 10-15 लोगों को भी प्रेरित कर सकते है तो में समझता हूँ की हमने अपने कर्तव्यों का निर्वाहन किया है।
- मित्रों, बहुत से दिन ऐसे होते है जो रस्मे तौर से मनाए जाते ही जिन्हें औपचारिकता के रूप में निभाए जाते है। हम बहुत सी जयंतियाँ तथा उत्सव मनाते है। मगर मतदान दिवस को हमें औपचारिकता के रूप में नहीं निभाना चाहिये, बल्कि ईमानदारी के साथ सच्ची भावना के साथ निभाना चाहिये। इस दिन को हमारे राष्ट्रीय कर्तव्य का हिस्सा मानकर हमें उत्साहपूर्वक जुड़ना चाहिये यही आज के दिन का संदेश हैं। मैं आप सबसे अपेक्षा रखता हूँ की हमारे लोकतंत्र को सफल बनाने के लिये हमसे जो अपेक्षा है, उस अपेक्षा को हम पूरा करेंगे।